प्राथमिक अंग्रेज़ी

चिह्न लगाना और प्रारंभिक लेखन

भारत में विद्‌यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* । मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE04v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है.
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में छोटे बच्चों के प्रारंभिक लेखन का परीक्षण किया गया है। जब बच्चे कागज़ पर अपना चिह्न लगाने लगते हैं, तो इसका अर्थ यह होता है कि वे संचार के एक स्वरूप के तौर पर लेखन को खोज रहे हैं और समझने लगे हैं। इस इकाई में, आप अंग्रेज़ी लेखन के अभ्यास में छोटे छात्र–छात्राओं की सहायता करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कृपया ध्यान दें कि इस इकाई की गतिविधियाँ और संसाधन किसी भी भाषा में प्रारंभिक लेखन के विकास के लिए उपयुक्त हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- प्रारंभिक लेखन के विकास के लक्षणों को पहचानना।
- लेखन संसाधनों (writing resources) को arrange करना।
- अपनी कक्षा के लिए उपयुक्त लेखन गतिविधियों (writing activities) और दिनचर्या (routine) की योजना बनाना।

1 आकस्मिक लेखन क्या होता है?

इसकी शुरुआत आप प्रारंभिक लेखन प्रक्रिया पर विचार करके करते हैं।

गतिविधि 1: आकस्मिक लेखन क्या होता है?

चित्र 1 को देखें, जो एक चार–वर्षीय बालिका के 'लेखन' को दर्शाता है। उसने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्री–स्कूल शिक्षक को बताया कि वह संख्याएँ और वर्ण लिख रही है। आप एक लेखन–अंश के रूप में इसका मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे, या क्या आपको लगता है कि यह केवल निरर्थक कलम घिसाई है? इस लेखन अंश के बारे में अपने विद्यालय के अन्य शिक्षकों से बात करें। इस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया है?

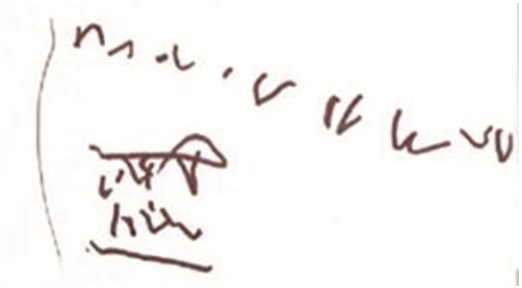

चित्र 1: एक चार वर्षीय बालिका द्वारा 'लेखन'।

इसके प्रारंभिक चरणों में, आकस्मिक लेखन किसी कागज़ पर की गई कलम घिसाई जैसा या असंबद्ध चिह्नों और आकृतियों के समूह जैसा दिखाई पड़ सकता है। लेकिन जिस लड़की ने यह लिखा था, उसमें इस बात के बारे में ज्ञान और जागरुकता झलकती है कि लेखन क्या है। वह जानती है कि:

- कागज़ पर बने चिह्न संख्याओं और वर्णों के प्रतीक हो सकते हैं
- लेखन के द्वारा जानकारी दी जाती है
- लेखन पढ़े जाने के लिए होता है।

बहुत छोटे बच्चे, जो अपने घर में, विद्यालय में, या समुदाय में लेखन को देखते हैं, वे जल्दी ही यह समझने लगेंगे कि लेखन के कई अलग–अलग अर्थ और उद्देश्य होते हैं। वे इसे दोहराने की कोशिश करेंगे, और जो कुछ भी वे देखते हैं, उसकी नकल करके और साथ ही नकल किए बिना अपने स्वयं के चिह्न बनाकर वे ऐसा करेंगे। जब वे ऐसा करते हैं, तो दरअसल में कागज़ पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने वाले लेखक बन रहे होते हैं। छोटी उम्र के छात्र–छात्रा जब अंग्रेज़ी में लिखना शुरू करते हैं, तो उन्हें एक साथ इन पाँच बातों पर ध्यान देना चाहिए:

- अँगुलियों पर नियंत्रण
- अक्षर निर्माण
- अंग्रेज़ी के अक्षर, ध्वनियाँ और आकृतियाँ
- अंग्रेज़ी शब्दों का अर्थ
- उनके लेखन का संपूर्ण संदेश।

ज़रा सोचिए

- जब आप छात्र–छात्राओं को कोई लेखन गतिविधि करने को कहते हैं, तो आप उपरोक्त पाँच पहलुओं में से किस पर ध्यान केंद्रित करते हैं? क्या आपको लगता है कि कुछ पहलू ऐसे हैं, जो दूसरों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं?
- आपके अनुसार छात्र–छात्रा किन पहलुओं को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं?

2 छात्र–छात्राओं का लेखन

गतिविधि 2: छात्र–छात्राएँ कहाँ लिख सकते हैं?

चित्र 2 को देखें। इनमें से कौन–सी गतिविधियाँ आपके छात्र–छात्राओं के साथ कक्षा में और विद्यालय में करना संभव होगा? यदि संभव हो, तो इस बारे में अपने किसी साथी शिक्षक से चर्चा करें। अपनी कक्षा में, और कक्षा से बाहर उन स्थानों के बारे में सोचें, जहाँ छात्र लेखन का अभ्यास कर सकते हैं।

चित्र 2: उन स्थानों के उदाहरण जहाँ छात्र–छात्रा लिख सकते हैं: अपनी अँगुलियों से रेत पर; लकड़ियों की सहायता से बाहर; चाक से फुटपाथ पर; पेंट से दीवार पर; रिसाइकल किए गए कागज़ पर पेन से; और बोर्ड पर चाक से।

अब नीचे दी गई जाँच सूची को देखें।

- **किस साधन के द्वारा लिखा जाए?** पेंसिल, पेन, पेंट, चाक, ब्रश, लकड़ी।
- **किस पर लिखा जाए?** रेत, फुटपाथ, चार्ट पेपर, रिसाइकल किया गया कागज़, बोर्ड, दीवारें, फर्श, धूल, कॉपी, रिसाइकल किए गए कागज़ से बनी छोटी किताबें।

यदि संभव हो, तो इस जाँच सूची के बारे में अपने किसी साथी शिक्षक से चर्चा करें। आपके विद्यालय में कौन–से संसाधन उपलब्ध हैं?

आपके पास, कक्षा के भीतर और बाहर, उपलब्ध लेखन संसाधनों के बारे में सोचें, जिनसे छात्र–छात्राओं को अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता हो। क्या आप अपनी कक्षा के भीतर या बाहर ऐसे कोई क्षेत्र देखते हैं, जहाँ छात्र मुक्त रूप से चिह्न बना सकते हैं और लिख सकते हैं?

अगले दो या तीन सप्ताहों में अपनी कक्षा में कुछ सत्रों के आयोजन की योजना बनाएँ, जिनमें आप यहाँ दिए गए एक या अधिक विचारों का उपयोग करें। किसी साथी शिक्षक के साथ या प्रधानाध्यापक के साथ अपनी योजनाओं पर चर्चा करें। आप उन पाठों को छाँटकर अलग कर सकते हैं, जिसपर छात्र–छात्राओं का पूरा समूह पूरे सप्ताह independent writing कर सकता है।

गतिविधि 3: विभिन्न उद्देश्यों के लिए लेखन

क्या आप अपने छात्र–छात्राओं से अपनी कक्षा में निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर लिखने को कहते हैं? उन सभी पर निशान लगाएँ, जो आप छात्र–छात्राओं से लिखने को कहते हैं:

- सूचियाँ
- ग्रीटिंग कार्ड
- जन्मदिन के कार्ड
- पोस्ट कार्ड
- चिट्ठियाँ
- आमंत्रण पत्र
- धन्यवाद संदेश
- मेनू
- विज्ञापन
- व्यंजन–विधियाँ
- संकेत
- टिप्पणियाँ
- ज्ञापन
- लेबल
- टिकट
- कैटलॉग
- कार्यक्रम
- ईमेल
- टेक्स्ट संदेश
- मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण, अर्थात पोस्टर।

इनका लेखन कहानियाँ या कविताएँ लिखने से कैसे अलग है? ये क्यों लिखे जाते हैं और किन के लिए होते हैं? ये हमें कहाँ दिखाई पड़ते हैं?

क्या आपको लगता है कि आपके छात्र–छात्राओं को उपरोक्त में से किसी लेखन में मज़ा आएगा? क्यों या क्यों नहीं? क्या आप पाठ्यपुस्तक के हालिया पाठ ढूँढ सकते हैं, जिनमें उपरोक्त में से किसी तरह के लेखन का संदर्भ मिलता हो?

3 पोस्टकार्ड लेखन

विद्यालय के बाहर लेखन के कई अलग–अलग प्रकार हैं, जिन्हें लोग अलग–अलग उद्देश्यों से पढ़ते हैं। लेखन में अक्सर चित्र और डिज़ाइन शामिल होते हैं, ताकि संदेश को अधिक रोमांचक, नाटकीय या स्पष्ट बनाया जा सके। छात्र–छात्राओं को उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों को प्रतिबिंबित करने वाली लेखन गतिविधियों में मज़ा आता है।

लेकिन छात्र–छात्राओं द्वारा विद्यालय में किया जाने वाला अधिकाँश लेखन उनके शिक्षक के अलावा कोई और नहीं पढ़ता। केस स्टडी 1 में, एक शिक्षक ने छात्र–छात्राओं को कुछ ऐसा लिखने को कहा है, जिसे विद्यालय के बाहर के लोगों द्वारा पढ़ा जाता है।

केस स्टडी 1: श्रीमती सोनाली की कक्षा पोस्टकार्ड भेजती है

श्रीमती सोनाली एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन को पढ़ाती हैं।

एक बार एक छात्र ने मुझ से पूछा, 'किसी चिट्ठी को कैसे पता चलता है कि उसे मुझ तक किस तरह पहुँचना है?' मैंने कक्षा से पूछा कि आज तक कितने छात्र–छात्राओं को डाक से एक चिट्ठी या पोस्टकार्ड कभी भी मिला है या उन्होंने भेजा है। किसी ने भी अपना हाथ नहीं उठाया। मैं अपने घर से कुछ पोस्टकार्ड लाई, और छात्र–छात्राओं को दिखाया कि वे कैसे होते हैं, पता कहाँ लिखा जाता है, और टिकट कहाँ लगाया जाता है।

मैंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वे हेवी कार्ड का उपयोग करके अपने खुद के पोस्टकार्ड बनाएँ। छात्र–छात्राओं ने एक तरफ अपने खुद के चित्र बनाए और दूसरी तरफ उनके घर का पता व अंग्रेज़ी में एक बहुत छोटा, सरल संदेश लिखा। मैंने देखा कि कुछ छात्र–छात्रा दूसरों की सहायता के बिना लिख सकते थे, और बाकी छात्र–छात्राओं को बहुत अधिक मदद की ज़रुरत थी।

मैंने हर पोस्टकार्ड पर टिकट के लिए प्रधानाध्यापक से थोड़े पैसे माँगे और फिर पूरी कक्षा उन कार्डों को पोस्ट करने के लिए डाकघर गई। मेरा चचेरा भाई डाकघर में नौकरी करता है और उसने वहाँ व्यवस्था करवा दी कि बच्चे डाकिये से मिल सकें और उसके काम के बारे में और चिट्ठियों को सही पते पर पहुँचाने के तरीके के बारे में उससे बात कर सकें। एक सप्ताह बाद, अपने घरों में वे पोस्टकार्ड पाकर छात्र–छात्रा बेहद रोमांचित थे और उन्होंने विद्यालय में मुझे वे कार्ड लाकर दिखाए।

अब मैंने यह गतिविधि अपना ली है। उदाहरण के लिए, मैं छात्र–छात्राओं से जन्मदिन के कार्ड या अन्य उत्सवों के लिए कार्ड बनाने को कहती हूँ। कभी–कभी हम सब साथ मिलकर एक बड़ा कार्ड बनाते हैं, जिस पर हर कोई अपने नाम से हस्ताक्षर करता है।

कार्ड निर्माण की गतिविधि के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-5 का lesson-11 (पेज 82) देखें।

ज़रा सोचिए

- क्या यह पोस्टकार्ड गतिविधि कक्षा की विभिन्न क्षमता के छात्र–छात्राओं के लिए उपयुक्त है? क्यों या क्यों नहीं?
- क्या आपके छात्र–छात्राओं के पास ऐसी चिट्ठियाँ लिखने के अवसर हैं, जिन्हें विद्यालय के बाहर वाले लोगों द्वारा पढ़ा जाएगा?

गतिविधि 4: एक पोस्टकार्ड भेजें

केस स्टडी 1 को मार्गदर्शन के रूप में उपयोग करते हुए, एक गतिविधि की योजना बनाएँ, जिसमें आपके छात्र–छात्रा एक पोस्टकार्ड या बहुत छोटी–सी एक चिट्ठी विद्यालय के बाहर के किसी व्यक्ति को लिखेंगे। पहले से योजना बनाने के महत्व के बारे में अधिक जानकारी पाने के लिए संसाधन 1, 'सीखने की योजना बनाना' देखें।

- आपको जिन संसाधनों की, और विद्यालय के बाहर के जिन व्यक्तियों की मदद की ज़रुरत पड़ेगी, उनकी व्यवस्था करें।
- आप छात्र–छात्राओं को इस गतिविधि का परिचय किस तरह देंगे?
- यदि आपका विद्यालय डाकघर के पास नहीं है, तो आप इस गतिविधि को कैसे अपनाएँगे?
- यदि आप यह गतिविधि बहुत छोटे छात्र–छात्राओं के साथ करते हैं, तो उनके चिह्न–निर्माण और लेखन में रुचि दिखाएँ। उन्हें यह बताने के लिए आमंत्रित करें कि उनके पोस्टकार्ड लेखन में क्या संदेश है।
- क्या आपके छात्र–छात्राओं को इस गतिविधि में मज़ा आता है? क्या वे सभी प्रेरित थे? क्या वे सभी इसमें शामिल हुए?

4 लेखन का अभ्यास करना

जब छोटे छात्र–छात्रा लिखना शुरू करते हैं, तो आपको उनके लेखन में वर्णों, संख्याओं, चित्रों और आकृतियों का मिश्रण दिखाई दे सकता है। हो सकता है कि वर्ण और संख्याएँ सही स्वरूप में न हों, लेकिन यह एक विकास चरण है और आमतौर पर समय के साथ अपने आप इसमें सुधार हो जाता है। उन छात्र–छात्राओं के नाम दर्ज करें और उनका निरीक्षण करें, जिनमें यह प्रगति होती हुई नहीं दिख रही है। यह विकास में कठिनाई का संकेत हो सकता है।

लेखकों के रूप में विकसित होने के लिए आपके छात्र–छात्राओं को लेखन का बहुत अधिक अभ्यास करना होगा। केस स्टडी 2 में, शिक्षिका इस लक्ष्य को पाने के लिए अपनी कक्षा में कई तरह की लेखन दिनचर्याओं का उपयोग करती हैं।

केस स्टडी 2: सुश्री रीना की लेखन दिनचर्याएँ

सुश्री रीना एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा दो को पढ़ाती हैं।

मैं एक ग्रामीण विद्यालय में शिक्षिका हूँ, जहाँ छात्र–छात्राओं के घरों में लेखन बहुत ही कम होता है। मैं अपने छात्र–छात्राओं से प्रतिदिन अंग्रेज़ी लेखन का थोड़ा–बहुत अभ्यास करने को कहती हूँ। कभी–कभी यह अँगुलियों पर नियंत्रण विकसित करने के लिए कोई यांत्रिक गतिविधि होती है, जैसे पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ से ऐसे सभी शब्दों की नकल करना जो वर्ण 's' से शुरू होते हैं। कभी–कभी मैं उन्हें लेखन और चित्रकला को संयोजित करने को कहती हूँ, जैसे किसी त्यौहार के लिए कार्ड या पोस्टर बनाना।

मैंने छात्र–छात्राओं से हर दिन उनका नाम और दिनांक लिखवाती हूँ। हर सप्ताह मैं उनसे कुछ ऐसा लिखने को कहती हूँ, जो उन्हें वास्तविक जीवन में दिखता हो, जैसे एक सूची, एक टिकट या एक चिह्न। बेशक, वे अभी भी पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं। मैं छात्र–छात्राओं को मेरी लेखन सूचियाँ, लेबल और उन कार्यों के बारे में मेरे रिमाइंडर नोट दिखाती हूँ, जो कार्य मुझे कक्षा में करने हैं। यह देखना उनके लिए महत्वपूर्ण है कि लेखन संवाद के लिए और याद रखने के लिए होता है।

मैं उनके लेखन में बहुत ज्यादा सुधार न करने की कोशिश करती हूँ। मैंने अपने अनुभव से देखा है कि छात्र–छात्रा गलतियों के बारे में सोचकर इतने चिंतित रहते हैं कि वे कागज़ पर पेन रखने में भी डरते हैं, और उनमें लेखन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो जाता है।

ज़रा सोचिए

- क्या आप रीना की कक्षा में लेखन की दिनचर्या को पहचान सकते हैं?
- उनकी कौन–सी दिनचर्या हस्तलेखन के कौशल का अभ्यास करने के लिए अधिक 'यांत्रिक' है और कौन–सी अधिक 'मुक्त' है, जिनसे लेखन के लिए उत्साह को प्रोत्साहन मिल सके?
- क्या आपको लगता है कि 'वास्तविक विश्व' के बारे में लेखन करना छात्र–छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है?
- आपके छात्र–छात्रा आपको किस तरह का लेखन करते हुए देखते हैं?

वीडियोः प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

गतिविधि 5: बहु–संवेदी लेखन अभ्यास

लेखन का विकास करने में हस्तलेखन का अभ्यास करना आवश्यक होता है। यहाँ दी गई दो 'कागज़रहित' गतिविधियों को पूरा पढ़ें और अपनी कक्षा में आजमाने के लिए कोई एक चुनें। (पहले किसी सहकर्मी के साथ इसे आजमाकर देखें।)

क्या आपकी कक्षा में अलग–अलग उम्र और क्षमता स्तरों वाले लोगों के लिए आपको यह गतिविधि अनुकूलित करनी पड़ेगी? आप यह कैसे करेंगे?

'एयर राइटिंग'

इस खेल के लिए एक वर्णमाला या शब्द सूची को बोर्ड या चार्ट पेपर पर लिखना आवश्यक होता है। छात्र–छात्रा समूहों में काम कर सकते हैं या पूरी कक्षा एक साथ हो सकती है।

- एक छात्र कोई एक वर्ण या शब्द चुनता है, लेकिन इसे गुप्त रखता है।
- वह छात्र दूसरों की तरफ पीठ घुमा लेता है (यह महत्वपूर्ण है) और अपने हाथों का उपयोग करके वह वर्ण या शब्द हवा में बड़े आकार में लिखता है, ताकि सभी उसे देख सकें – ठीक उसी तरह जैसे शिक्षक बोर्ड पर लिखते हैं।
- अन्य छात्र–छात्रा उस वर्ण या शब्द का अनुमान लगाते हैं – क्या उनका अनुमान सही है?
- वे सभी साथ मिलकर, बड़े आकार में वह वर्ण या शब्द 'हवा में लिखते हैं' और हवा में लिखते समय साथ में प्रत्येक वर्ण का उच्चारण भी करते हैं।

'बैक राइटिंग' (पीठ पर लिखना)

इस खेल के लिए एक वर्णमाला या शब्द सूची को बोर्ड या चार्ट पेपर पर लिखना आवश्यक होता है। छात्र–छात्रा जोड़ियों में बैठते हैं और उनके बीच एक छोटा बोर्ड या कागज़ और पेंसिल होती है।

- एक छात्र कोई एक वर्ण या शब्द चुनता है और इसे गुप्त रखता है।
- एक अँगुली से वे दूसरे छात्र की पीठ पर वह वर्ण या शब्द लिखते हैं।
- दूसरा छात्र वह वर्ण या शब्द कागज़ पर या ब्लैकबोर्ड पर लिखता है – क्या दूसरे छात्र का उत्तर सही है?
- यह गतिविधि इस तरह भी की जा सकती है कि एक छात्र दूसरे साथी छात्र–छात्रा की हथेली पर वर्ण या शब्द 'लिखता' है।

कक्षा में, छात्र–छात्राओं को यह दिखाएँ कि आपके द्वारा चुनी गई गतिविधि किस तरह करनी है।

जब आप छात्र–छात्राओं का निरीक्षण कर रहे होंगे, तब इस बात पर ध्यान दें कि यह गतिविधि किस प्रकार शरीर और मन दोनों को शामिल करती है। बहु–संवेदी गतिविधियों के कारण छोटे छात्र–छात्राओं को सीखते समय याद रखने में मदद मिल सकती है।

आपके अनुसार एक शिक्षक के रूप में आपके लिए बहु–संवेदी गतिविधियों की कठिनाइयाँ क्या हैं?

5 संसाधन

इस इकाई में छोटे छात्र–छात्राओं को कई तरह के साधनों के साथ, अलग–अलग स्थानों पर और अलग–अलग उद्देश्यों के लिए लेखन का अभ्यास करने के अवसर बार–बार देने के महत्व पर बल दिया गया है। लेखन एक विकासात्मक प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत प्रारंभिक चिह्न–रचना से होती है और फिर यह लंबे पाठों को लिखने तक पहुँचती है। इसके लिए शारीरिक शक्ति और साथ ही भाषा के ज्ञान की आवश्यकता होती है।

किसी भी छात्र के प्रारंभिक लेखन का आनंद लिया जाना चाहिए, उसे महत्व दिया जाना चाहिए और समझा जाना चाहिए। इसे गलतियों को ढूँढने और सुधारने का अवसर नहीं बनाना चाहिए। छोटी उम्र के छात्र–छात्रा किस बारे में लिखते हैं और लेखन के प्रति उनके मन में उत्साह है, यह बात उनके लेखन के तरीकों (स्पेलिंग, हस्तलेख, मात्राएँ, रिक्त स्थान) से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

हो सकता है कि आप ऐसे विद्यालय में पढ़ाते हों, जहाँ के छात्र–छात्राओं को उनके घरों या समुदाय में बहुत कम लेखन देखने को मिलता है या बिल्कुल भी नहीं मिलता। हो सकता है कि आप ही आपके छात्र–छात्राओं के लिए अंग्रेज़ी और हिन्दी लेखन का प्रमुख स्रोत हों। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी कक्षा को एक 'मुद्रण–समृद्ध वातावरण' (print-rich environment) बनाएँ। इस विषय के बारे में एक अलग शिक्षक विकास इकाई है।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *शिक्षण वातावरण।*
- *लेखन कौशल का विकास और अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: सीखने की योजना बनाना

अपने पाठों संबंधी अवधारणाओं की योजना और उनकी तैयारी क्यों महत्वपूर्ण है

अच्छे पाठों संबंधी अवधारणाओं की योजना (सीखने की योजना) बनाना ज़रूरी होता है। योजना बनाने से आपके पाठों संबंधी अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट और सुनियोजित करने में मदद मिलती है, जिसका अर्थ यह है कि छात्र–छात्रा सक्रिय होते हैं और इसमें रुचि लेते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी शामिल होता है ताकि शिक्षक/शिक्षिका पढ़ाते समय अपने छात्र–छात्राओं की अधिगम-प्रक्रिया के बारे में कुछ पता चलने पर उसके प्रति अनुक्रिया कर सकें। पाठों संबंधी अवधारणाओं की शृंखला के लिए सीखने की योजना पर काम करने में छात्र–छात्राओं और उनके पूर्व-ज्ञान को जानना, पाठ्यचर्या के माध्यम से प्रगति के क्या अर्थ है, और छात्र–छात्राओं के पढ़ने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों की खोज करना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत् प्रक्रिया है जो आपको अलग-अलग पाठों में शामिल अवधारणा, उपअवधारणा और साथ ही, एक के ऊपर एक विकसित होते पाठों में शामिल अवधारणा,उपअवधारणा की शृंखला, दोनों की तैयारी करने में मदद करती है। पाठ संबंधी सीखने की योजना के चरण ये हैं:

- इस बारे में स्पष्ट रहना कि प्रगति करने के लिए आपके छात्र–छात्राओं के लिए क्या आवश्यक है
- तय करना कि आप कौन से ऐसे तरीके से सिखाने जा रहे हैं जिसे छात्र–छात्रा समझेंगे और आपको जो पता लगेगा उसके प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को कैसे बनाए रखेंगे

- पीछे मुड़कर देखना कि अध्याय में दी गई अवधारणा संबंधी योजना कितनी अच्छी तरह से चली और आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा ताकि भविष्य के लिए योजना बना सकें।

पाठ संबंधी अवधारणाओं के शृंखला की योजना बनाना

जब आप किसी पाठ्यचर्या का पालन करते हैं, तो नियोजन का पहला भाग यह निश्चित करना होता है कि पाठ्यक्रम के विषयों और प्रसंगों से संबंधित अवधारणाओं को खंडों या टुकड़ों में किस सर्वोत्तम ढंग से विभाजित किया जाय। आपको छात्र–छात्राओं के प्रगति करने तथा कौशलों और ज्ञान का क्रमिक रूप से विकास करने के लिए उपलब्ध समय और तरीकों पर विचार करना होगा। आपके अनुभव या सहकर्मियों के साथ चर्चा से आपको पता चल सकता है कि किसी अवधारणा के लिए चार कालांश लगेंगे, लेकिन किसी अन्य अवधारणा के लिए केवल दो। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उसे सिखाने पर अलग तरीकों से और अलग अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य अवधारणाएँ सिखाई जाएंगीं या अवधारणा को विस्तारित किया जाएगा।

सभी सीखने की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- छात्र–छात्राओं को आप क्या सिखाना चाहते हैं
- आप उस अधिगम बिन्दु/अवधारणा का परिचय कैसे देंगे
- छात्र–छात्राओं को क्या और क्यों करना होगा।

आप सिखाने को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि छात्र–छात्रा सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की शृंखला में छात्र–छात्राओं से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जब आपके छात्र–छात्रा पाठों की शृंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों से संबंधित अवधारणाओं की तैयारी करना

पाठों से संबंधित अवधारणाओं की शृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक अवधारणा को उसकी प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो छात्र–छात्राओं ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं या पाठों से संबंधित अवधारणाओं की शृंखला के अंत में यह आप जान सकेंगे कि छात्र–छात्राओं ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ से संबंधित अवधारणा को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी छात्र–छात्रा प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ से संबंधित अवधारणा की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नई अवधारणा सिखाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ विचारों पर बातचीत करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों से संबंधित अवधारणाओं की योजना को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

सिखाने की प्रक्रिया के शुरू में, छात्र–छात्राओं को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि सभी को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। छात्र–छात्रा पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 योजना का मुख्य भाग

छात्र–छात्रा जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। अपनी कक्षा में आप जिन संसाधनों और तरीकों का उपयोग करेंगे, उनकी पहचान करें। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का उपयोग सीखने की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक छात्र–छात्राओं तक पहुँचेंगे, क्योंकि वे भिन्न तरीकों से सीखेंगे।

3 अधिगम की जाँच कर के सीखने की योजना की समाप्ति

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (सीखने के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या छात्र–छात्राओं को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और छात्र–छात्राओं के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

सीखने की योजना को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और छात्र–छात्राओं को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। छात्र–छात्राओं की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगली अवधारणा/उपअवधारणा के लिए क्या योजना बनानी है।

सीखने की योजना की समीक्षा करना

हर सीखने की योजना का पुनरावलोकन करें और इस बात को दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले अवधारणाओं/उपअवधारणाओं के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- खुले और बंद प्रश्नों की एक शृंखला तैयार करना
- जिन छात्र–छात्राओं को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ अनुवर्ती सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप छात्र–छात्राओं के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर अवधारणा से गुजरेंगे, आपकी सीखने संबंधी योजनाएं अपरिहार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप किस तरह से सिखाना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने छात्र–छात्राओं के वास्तविक अधिगम के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

अतिरिक्त संसाधन

- 'Cn u rd ths? A guide to invented spelling', GreatSchools: http://www.greatschools.org/ students/ academic-skills/ 384-invented-spelling.gs
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Graham, J. and Kelly, A. (2010) *Writing under Control: Teaching Writing in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.

Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.

O'Sullivan. O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

चित्र 2: ऊपर बायाँः http://theguilletots.blogspot.co.uk; ऊपर बीच वालाः एलेन शिफ्रिन के सौजन्य से (Flickr में); ऊपर दायाँः http://www.childrens-mathematics.net/gallery_pastgraphics.htm; नीचे बायाँः http://webfronter.com/waltham-forest/stoneydown/menu6/Early_Years_Foundation_Stage/Early_Years_Foundation_Stage_Page.html के सौजन्य से; नीचे बीच वालाः http://earlyyearsmaths.e2bn.org/library/; नीचे दायाँः http://montessoriteachings.blogspot.co.uk/.
(Figure 2: top left: http://theguilletots.blogspot.co.uk; top middle: courtesy of Ellen Shifrin (in Flickr); top right: http://www.childrens-mathematics.net/gallery_pastgraphics.htm; bottom left: courtesy of http://webfronter.com/waltham-forest/stoneydown/menu6/Early_Years_Foundation_Stage/Early_Years_Foundation_Stage_Page.html; bottom middle: http://earlyyearsmaths.e2bn.org/library/; bottom right: http://montessoriteachings.blogspot.co.uk/)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।